संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवास

प्रिलिम्स के लिये:

अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवास में वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये सरकारी नीतियों और हस्तक्षेपों व उनके डिज़ाइन एवं कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

मेन्स के लिये:

अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवास में वृद्धि, विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये सरकारी नीतियों और हस्तक्षेपों व उनके डिज़ाइन एवं कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के आँकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में, **अमेरिका में अवैध** भारतीय प्रवासियों की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। एक दशक पूर्व यह **आमद मामूली तौर पर 1,500 से बढ़कर वर्ष 2023 में आश्चर्यजनक रूप से 96,917** हो गया।

- भारतीयों द्वारा अवैध सीमा क्रॉसिंग में सबसे महत्त्वपूर्ण उछाल वर्ष 2020 से देखा गया है, जो 10,000 से कम संख्या में ऐतिहासिक रूप से कम संख्या से प्रस्थान को चिह्नित करता है।
- परंपरागत रूप से, अधिकांश अवैध क्रॉसिंग अमेरिकी-मेक्सिको सीमा में हुए। हालाँकि भारतीय प्रवासी **उत्तरी सीमा की ओर तेज़ी से प्रवास** कर रहे हैं जो **वर्ष 2014 में 100 से कम से बढ़कर** वर्ष **2023 में 30,000 से अधिक** हो गए हैं।

प्रवासी:

- **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन** एक प्रवासी को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार अथवा अपने निवास स्थान से दूर किसी राज्य के भीतर जा रहा है अथवा चला गया है।
  - प्रवास का आशय लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थायी अथवा अस्थायी रूप से जाने से है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों में वृद्धि के क्या कारण हैं?

- **प्रेरित करने वाले कारक/पुश फैक्टर्स:**
  - भारत में **रोज़गार के पर्याप्त अवसरों तथा आर्थिक संभावनाओं की कमी** जैसे कई कारक हैं जो व्यक्तियों को विदेश में बेहतर रोज़गार की संभावनाएँ खोजने के लिये प्रेरित करते हैं।
    - भारत में सामाजिक संघर्ष अथवा शासन तंत्र में विश्वास की कमी कुछ व्यक्तियों को कहीं और अधिक स्थाई वातावरण की तलाश करने के लिये प्रेरित कर सकती है।
- **आकर्षण के कारक/पुल फैक्टर्स:**
  - बेहतर रोज़गार, उच्च वेतन तथा कॅरियर में उन्नति की प्रस्तुति के लिये अमेरिका की प्रतिष्ठा **प्रवासियों के लिये एक महत्त्वपूर्ण आकर्षण कारक** के रूप में कार्य करती है।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका में **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों** का प्रलोभन छात्रों व परिवारों को शैक्षिक अवसरों की तलाश में आकर्षित करता है।
    - संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले से ही बसे परिवार के सदस्यों अथवा रिश्तेदारों के साथ पुनर्मिलन की इच्छा **कुछ प्रवासियों को प्रियजनों से निकटता के लिये अवैध प्रवेश की तलाश करने के लिये प्रेरित करती है।**
- **वैश्विक प्रवासन प्रवृत्तियाँ:**

- कोविड महामारी के बाद **वैश्विक प्रवासन** में हुई समग्र वृद्धि ने इस वृद्धि में योगदान दिया है, क्योंकि **व्यक्ति विभिन्न देशों में बेहतर अवसर तथा सुरक्षा की तलाश में हैं।**
- **वीज़ा बैकलॉग तथा वैकल्पिक मार्ग:**
  - तस्करों ने अमेरिका में अवैध प्रवेश को सुविधाजनक बनाने के लिये **परिष्कृत एवं मांग वाली सेवाओं की पेशकश करते हुए अपने तरीके विकसित किये** हैं।
  - अत्यधिक वीज़ा बैकलॉग ने **व्यक्तियों को** लंबे समय तक प्रतीक्षा समय तथा विधिक प्रवेश के सीमित विकल्पों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के **वैकल्पिक**, यद्यपि अवैध, **रास्ते तलाशने के लिये प्रेरित किया** है।
- **गलत सूचना:**
  - सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलती है और भ्रामक ट्रैवल एजेंसियाँ अक्सर हताश प्रवासियों को गुमराह करती हैं तथा उन्हें महाद्वीपों में अनेक **सुविधाप्रदाताओं द्वारा निर्देशित जोखिम भरी यात्राएँ** करने के लिये प्रेरित करती हैं।
  - हताश प्रवासी विभिन्न महाद्वीपों और देशों से होकर गुज़रने वाली जटिल, **बहु-पैर वाली यात्राएँ** कर सकते हैं और **रास्ते में कई जोखिमों तथा चुनौतियों का सामना** कर सकते हैं।

भारत में अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि के सामाजिक-राजनीतिक और भू-राजनीतिक निहितार्थ क्या हैं?

- **द्विपक्षीय संबंध:**
  - यह मुद्दा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को, संभावित रूप से व्यापार वार्ता, सुरक्षा सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को प्रभावित कर सकता है।
- **आर्थिक कारक:**
  - **अवैध प्रवेश चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के परिणामस्वरूप** संभावित प्रतिभा पलायन भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ कुशल श्रम की मांग है।
- **प्रतिभा पलायन:**
  - अवैध प्रवास के कारण कुशल और शिक्षित व्यक्तियों की हानि भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे देश में प्रतिभा तथा विशेषज्ञता की कमी हो सकती है।
- **श्रम बाज़ार की चुनौतियाँ:**
  - कुशल या अर्ध-कुशल श्रमिकों के जाने से कुछ क्षेत्रों में श्रम की कमी हो सकती है, जिससे भारत के कार्यबल और आर्थिक उत्पादकता पर असर पड़ सकता है।
- **नीतिगत परिणाम:**
  - भारत को अवैध प्रवास को बढ़ावा देने वाले कारकों, संभावित रूप से संसाधनों और अन्य विकासात्मक प्राथमिकताओं से ध्यान हटाने के लिये कठोर नीतियों को लागू करने की आवश्यकता हो सकती है।

आगे की राह

- संकट को कम करने और भारत के भीतर बेहतर अवसर प्रदान करने के लिये आर्थिक स्थिरता, **रोज़गार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों** पर ध्यान केंद्रित करना।
- **प्रवासन की ओर ले जाने वाली चिंताओं को समझने तथा उनका समाधान करने के लिये राजनयिक संवाद में संलग्न होना,** प्रवासियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये अन्य देशों के साथ सहयोग करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/illegal-indian-migration-to-the-u-s-